लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2333

10 दिसंबर, 2024 को उत्तर दिए जाने के लिए

रेशम उत्पादन क्षेत्र में प्रौद्योगिकी का उन्नयन

2333. श्री दुलू महतो:

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या झारखंड राज्य ने रेशम उत्पादन क्षेत्र में महत्वपूर्ण वृद्धि का अनुभव किया है और किन प्रमुख सरकारी पहलों ने इस वृद्धि में योगदान दिया है;

(ख) सरकार द्वारा रेशम उत्पादन क्षेत्र में प्रौद्योगिकी के आधुनिकीकरण और उन्नयन के लिए क्या विशिष्ट कदम उठाए गए हैं, और इन प्रयासों का स्थानीय किसानों और कारीगरों पर क्या प्रभाव पड़ा है;

(ग) झारखंड में रेशम उत्पादन क्षेत्र के विकास और स्थिरता में सहायता करने के लिए आवश्यक अवसंरचना और सामान्य सुविधाएं प्रदान करने हेतु उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है;

(घ) रेशम उत्पादन उद्योग में पश्चवर्ती और अग्रवर्ती सहलग्नता को सुदृढ़ करने के लिए शुरू की गई पहलों का ब्यौरा क्या है और उत्पाद डिजाइन और विपणन सहायता में क्या सुधार किए गए हैं;

(ङ) क्या सरकार झारखंड के रेशम उत्पादन उत्पादों की विश्व में प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ा रही है; और

(च) स्थानीय कारीगरों और रेशम उत्पादकों के लिए बेहतर पारिश्रमिक सुनिश्चित करने के लिए क्या उपाय किए जा रहे हैं?

उत्तर

वस्त्र राज्य मंत्री

(श्री पबित्र मार्घेरिटा)

(क) से (ग): झारखंड, तसर रेशम उत्पादन में 71% योगदान के साथ देश का सबसे बड़ा तसर रेशम उत्पादक राज्य है।

सरकार ने निम्नलिखित कदमों/पहलों के माध्यम से झारखंड राज्य में रेशम उत्पादन किसानों और कारीगरों सहित रेशम उत्पादन क्षेत्र के विकास और सस्टेनेबिलिटी को सहायता प्रदान की है:

i. तसर रेशम क्षेत्र जैसे तसर इको-रेस कंजरवेशन और ब्रीडिंग, उन्नत/आधुनिक तसर रेशमकीट पालन/रीलिंग/प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियों का विकास और प्रदर्शन, उप-उत्पाद उपयोग एवं मूल्य संवर्धन पर अनुसंधान एवं विकास, क्षमता निर्माण एवं प्रशिक्षण तथा विस्तार संचार कार्यक्रम (ईसीपी) के लिए संबंधित अनुसंधान और विकास (आरएंडडी) की आवश्यक्ताओं को पूरा करने हेतु रांची में केंद्रीय तसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान (सीटीआरएंडटीआई), दुमका में क्षेत्रीय रेशम उत्पादन अनुसंधान केंद्र (आरएसआरएस), भंडरा में अनुसंधान विस्तार केंद्र (आरईसी) और चक्रधरपुर में पी4 स्टेशन की स्थापना की गई।

ii. कोकून संरक्षण के लिए ग्रीन शेड नेट प्रौद्योगिकी का विकास, क्षेत्र और मौसम के अनुसार उपयुक्त छंटाई और ब्रशिंग कार्यक्रम और गुणवत्ता वाले कोकून उत्पादन को बढ़ाने के लिए किसानों को क्वालिटि डिजीज फ्री लेइंग (डीएफएल) की आपूर्ति।

iii. झारखंड राज्य की तसर रेशमकीट बीज की आवश्यकता को पूरा करने के लिए, खरसावां, काठीकुंड और मधुपुर प्रत्येक में केंद्रीय रेशम बोर्ड के तीन बेसिक सीड मल्टिप्लिकेशन एंड ट्रेनिंग सेंटर (बीएसएमटीसी) प्रचालनशील हैं।

iv. सीटीआरएंडटीआई, रांची ने वर्ष 2017 से तसर रेशम से संबंधित विभिन्न गतिविधियों के लिए 2,132 व्यक्तियों को प्रशिक्षित किया है और 8,134 लाभार्थियों को कवर करते हुए 131 प्रौद्योगिकी प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किए हैं।

v. सिल्क समग्र और सिल्क समग्र-2.0 योजना के तहत सरकार ने वर्ष 2017-18 से झारखंड को लाभार्थी उन्मुख घटकों के क्रियान्वयन के लिए 1,178.77 लाख रुपये की सहायता प्रदान की है, जिसमें कोकून सुखाने के लिए हॉट एयर ड्रायर, तसर रेशम रीलिंग मशीनरी पैकेज और रेशम रंगाई प्रसंस्करण सुविधाओं जैसी सामान्य सुविधाओं सहित पूर्व और पश्च कोकून गतिविधियों/मशीनरी दोनों को शामिल किया गया है।

vi. झारखंड के चाईबासा में तसर के लिए एक कच्ची सामग्री बैंक कार्य कर रहा है, जो तसर किसानों को विपणन सहायता प्रदान करता है।

उपरोक्त पहलों से विभिन्न हितधारकों, विशेषकर झारखंड के आदिवासियों को अपनी आजीविका बनाए रखने तथा विभिन्न रेशम उत्पादन गतिविधियों के माध्यम से अपनी सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार करने में मदद मिली है।

(घ): सिल्क समग्र-2 योजना राज्यों द्वारा कार्यान्वयन के लिए रेशम उत्पादन श्रृंखला में बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज प्रदान करती है। यह परियोजना के साथ-साथ व्यक्तिगत लाभार्थी मोड के लिए भी फायदेमंद है, जिसमें प्री-कोकून, रेशमकीट बीज उत्पादन और पश्च कोकून की गतिविधियों के लिए इंटरवेंशन शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, फॉरवर्ड लिंकेज स्थापित करने के लिए बाजार अवसंरचना को सुदृढ करने, रीलिंग और प्रसंस्करण क्षेत्र को बढ़ाने और भारतीय रेशम के ब्रांड को बढ़ावा देने का प्रावधान किया गया है।

(ङ) और (च): सरकार ने झारखंड राज्य में तसर रेशम उत्पादों की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए निम्नलिखित उपाय किए हैं:

i. रेशम उत्पादकों और कारीगरों के लाभ के लिए झारखंड राज्य के प्रस्ताव के आधार पर, सिल्क समग्र और सिल्क समग्र -2 योजनाओं के तहत 30 मोटराइज्ड रीलिंग मशीनें, 80 रीलिंग कम ट्विस्टिंग मशीनें, 468 बुनियाद रीलिंग मशीनें, 80 मल्टी-फ्यूल हॉट एयर ड्रायर (50 किलोग्राम क्षमता), 80 संशोधित क्षेत्र विशिष्ट हथकरघा और वर्ष 2017 से 6 मास्टर रीलर/बुनकर तकनीशियनों को तैनात करने के लिए सहायता प्रदान की गई है।

ii. रेशम रीलिंग/कताई एवं बुनाई गतिविधियों में कौशल विकास एवं कौशल उन्नयन के लिए समर्थ योजना के अंतर्गत झारखंड के 158 कारीगरों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया है।

iii. निर्यात कारोबार में तसर सहित वान्या रेशम उत्पादों को लोकप्रिय बनाने के लिए, रेशम मिश्रणों के साथ उत्पाद विकास और विविधीकरण पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

iv. भारतीय रेशम का सामान्य और ब्रांड प्रचार सिल्क मार्क ऑर्गनाइजेशन ऑफ इंडिया (एसएमओआई) के माध्यम से थीम मंडपों का आयोजन और एक्सपो/प्रदर्शनियों में उत्पादों के प्रदर्शन के माध्यम से किया जाता है।

v. झारखंड सरकार द्वारा तसर रेशम उत्पादों को बढ़ावा देने और स्थानीय कारीगरों/रेशम उत्पादकों को समर्थन देने के लिए झारखंड रेशम वस्त्र एवं हस्तशिल्प विकास निगम लिमिटेड की स्थापना की गई है।

****